हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 9 सितंबर 2025

11 पंडित सीताराम स्कूल की भूमिका व मुस्कान ने …

12 विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेलों की अहम…

खबर संक्षेप

पहाड़ी माता दर्शन को जा रहे युवक की मां लापता

लोहारू। जवाहर नगर से पहाड़ी माता मंदिर में पूजा अर्चना के लिए जा रहे युवक की मां बस स्टैंड पर लापता हो गई। पुलिस को दी शिकायत में जवाहर नगर निवासी स्वतंत्र ने बताया कि वह अपनी मां के साथ पहाड़ी माता मंदिर जा रहे थे। इस दौरान वह लोहारू बस स्टैंड पर मां को बस में बैठाकर खाने का सामान लेने चला गया और वापस लौटकर देखा तो बस रवाना हो चुकी थी। उसने आसपड़ोस में काफी पूछताछ की, लेकिन उसकी मां नहीं मिली।

25 वर्षीय विवाहिता लापता, मामला दर्ज

लोहारू। उपमंडल के गांव से 25 वर्षीय विवाहिता के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। पति ने लोहारू पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस को दी शिकायत में महिला के प्रति ने बताया कि उसी 25 वर्षीय पत्नी सुबह पांच बजे से लापता है। उसकी आसपड़ोस में काफी तलाश की गई। पुलिस ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

मंगलसूत्र लौटाकर दिया ईमानदारी का परिचय

भिवानी। पुलिस अधीक्षक भिवानी ने पुलिस ड्यूटी को मेहनत व ईमानदारी से करने पर महिला का गुम हुआ मंगलसूत्र लौटने पर एसपीओ सुनील कुमार को प्रशंसा पत्र देकर किया सम्मानित। सात सितम्बर को पुलिस चौकी बस स्टैंड भिवानी को मंगलसूत्र प्राप्त हुआ। प्रबंधक थाना औद्योगिक क्षेत्र भिवानी उप निरीक्षक सज्जन सिंह ने पुलिस चौकी बस स्टैंड ने ईमानदारी का परिचय देते हुए मंगलसूत्र के वास्तविक परिजनों की तलाश की। सत्यापन के उपरांत मंगलसूत्र को तिगड़ाना निवासी मालिक को विधिवत रूप से लौटाया गया।

भिवानी। पानी की निकासी की मांग को लेकर उपायुक्त कार्यालय में जाती महिलाएं और गांव की रिहायशी कॉलोनी में जमा पानी का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

पानी निकासी की मांग को लेकर महिलाएं पहुंचीं उपायुक्त दरबार

फसलें पूरी तरह से खत्म, डीसी ने जल्द निकासी करवाने का दिया आश्वासन

■ महिलाओं ने बताया कि बाबा जगन्नाथ के साथ लगती कॉलोनी में तीन-तीन फुट पानी जमा है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रिहायशी कॉलोनी में जमा बारिश के पानी की निकासी की मांग को लेकर गांव लोहारी जाटू की महिलाए उपायुक्त कार्यालय पहुंची। महिलाओं ने उपायुक्त को मांगपत्र सौंपा। इस पर उपायुक्त ने तत्काल गांव की रिहायशी कॉलोनी के पानी की निकासी करवाए जाने का भरोसा दिलाया। महिलाओं ने बताया कि बाबा जगन्नाथ के साथ लगती कॉलोनी में तीन-तीन फुट बारिश का पानी जमा है। खेतों का पानी भी इसी कॉलोनी में पहुंच गया। जिस वजह से पानी लगतार बढ़ता जा रहा है। खेतों का पानी आने से तिलसर, धोबी धोना व बाबा जगन्नाथ वाला जोहड़ ओवर फलो हो गए है।

इसी तरह तालू सिवाड़ा माइनर के पास लगता जोहड़ भी ओवरफलो हो गया और उसके साथ बसी कॉलोनी में भी तीन से चार फुट तक पानी जमा है। पानी जमा होने उनको अपने घर खाली करने पड़ रहे है। उन्होंने बताया कि इस बस्ती में करीब तीन से चार मकान गिरने की स्थिति में पहुंच गए है। महिलाओं ने बताया कि अब उनके पास रहने के लिए मकान तक नहीं है। उन्होंने अपना सारा सामान समेटकर किसी दूर जगह पर ठहरने की व्यवस्था करनी पड़ रही है।

खेतों के पानी ने डूबोई कॉलोनी

महिलाओं ने बताया कि उनकी कॉलोनी में खेतों का पानी जमा होने की वजह से यह समस्या बनी है। अगर समय रहते पानी की निकासी करवा दी गई होती तो उनके घरों तक पानी नहीं पहुंचता। महिलाओं ने उपायुक्त से उनके घरों में जमा पानी की निकासी करवाए जाने की मांग की।

किसान सभा ने उपायुक्त कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर समाधान शिविर में की शिकायत

भिवानी। अखिल भारतीय किसान सभा तहसील कमेटी भिवानी ने जलभराव व बाढ़ ग्रस्त गांव की समस्याओं को हल करवाने वास्ते उपायुक्त कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया तथा उपायुक्त समाधान शिविर में शिकायत दर्ज करवाई। कार्यकम की अध्यक्षता किसान सभा की तहसील प्रधान संतोष देशवाल ने की व मंच संचालन सभा के तहसील सचिव करतार ग्रेवाल ने किया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए किसान सभा के जिला उपप्रधान व माकपा नेता कामरेड ओमप्रकाश ने कहा की जिले के तीन दर्जन गांव में जलभराव व बाढ़ ने तबाही मचा दी है। कई गांव में मकानों में पानी घुस गया और सागवान गांव में 80 प्रतिशत लोग अपने पशुओं समेत गांव छोड़ने पर मजबूर हो गये है।

कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि सागवान गांव में जलनिकासी के लिए वे सोमवार को उपायुक्त साहिल गुप्ता से व्यक्तिगत तौर पर मिले तथा उन्होंने आश्वासन दिया है कि अब गांव के जल निकासी के लिए टीले में जगह निश्चित की गई है और अधिक मोटरें लगाकर शीघ्र पानी निकाल दिया जाएगा। कामरेड ने कहा कि गांव बामला, फुलपुरा व नौरंगाबाद में भी 1500 एकड़ जमीन में पानी भरने खरीफ फसल बर्बाद हो गई है। घुसकानी में मोटर लगाकर गांव में पानी घुसने से रोका जाए, धनाना में धनाना, सैमण व जताई ड्रेन में पानी डालने के लिए बिजली कनेक्शन दिया जाए, ढाणा नरसान, ढाणा लाडनपुर, अजीतपुर, गौरीपुर, मनहेरु, कायला, बडाला, सांगा व अन्य गांव में में बर्बाद फसलों का खराबा दर्ज करने हेतु क्षति पूर्ति पोर्टल खोले जाएं।

इस अवसर पर श्रीभगवान स्वामी, दयानंद, जयप्रकाश, पवन, हवा सिंह, बिट्टू, कंवरसेन, संजय, बिल्लू, रमेश, राजेश सिंधू, नेपाल सिंह, रब्बू, जितेंद्र, परमाल, रमेश, सुंडा, घमो, बिंदों के अलावा अनेक महिलाएं उपस्थित थी।

बवानीखेड़ावासी बोले-शहर से करेंगे पलायन, जिदंगी बचानी जरूरी

विभाग एक दूसरे के सिर ठिकरा ढोड़ने में जुटे

■ बवानी खेड़ा में बढ़ रही जलभराव की समस्या

■ नपा प्रधान बोले-तन-मन-धन से दिन-रात कर रहे सहयोग

दीपक कुमार डुमड़ा ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा में बरसाती, सीवरेज, खेतों से आ रहे पानी से हालात बदतर होते जा रहे हैं। जलभराव की मात्रा में हिजाफा हुआ है। पंप लगाने पश्चात जो पानी घटना चाहिए था वह मिंट प्रति मिंट अधिक बढ़ता जा रहा है। जिसके कारण शहर के अनेक वार्ड जहां जलभराव की स्थिति है, घर खाली हो चुके हैं। जिनमें कुछ शहर से बाहर जा चुके हैं तो कुछ ने अपने रिश्तेदारों व कुछ ने नपा द्वारा निर्धारित आश्रय में जाकर अपने आपको बचाया है। वहीं नपा प्रधान सुंदर अत्री, सचिव संदीप गर्ग ने बताया कि वे समस्या का समाधान करने में जुटे हुए हैं व मुनादी से भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

स्थानीय प्रशासन के प्रयास हो रहे विफल

नपा प्रधान सुंदर अत्री द्वारा पार्षदों व समाजसेवियों संग मिलकर अनेकों पंप लगवाकर पानी की निकासी को लेकर दिन-रात एक कर पसीना बहा रहे हैं लेकिन स्थिति नियंत्रण में नहीं आ रही है। क्योंकि कहीं न कहीं जो सहयोग की उम्मीद होनी चाहिए वह नहीं मिल पा रहा। हालांकि शहरवासियों ने सीवरेज व्यवस्था को लेकर बार बार पब्लिक हेल्थ अधिकारियों से गुहार लगाई लेकिन उनके कानों पर जूं तक नहीं रेंगी और अब हालात नियंत्रण से बाहर हो चुके हैं। मार्केट में पानी घुसने से दुकानें बंद होनी शुरू हो गई है, मच्छर मक्खियों के कारण बीमारी फैलने का भय सताने लगा है। लोग मौत व खौफ के साए में जी रहे हैं।

जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के कनिष्ट अभियंता सचिन कौशिक ने बताया कि बायपास के नीचे साइफन से खेतों का पानी आ रहा है जितना पानी निकाल रहे हैं उससे अधिक पानी बड़सी, खेड़ी के माध्यम से बिजली बोर्ड से शहर की तरफ आ रहा है। बंद करवाने पश्चात भी लोग पानी को खोल रहे हैं। हालांकि धरतीपुत्रों को मानना चाहिए कि उनकी फसलें नष्ट हो चुकी है लेकिन आमजन को बचाने के लिए पानी शहर की तरफ न खोले ताकि जनजीवन प्रभावित न हो। वहीं उन्होंने पानी निकलवाने के लिए सिंचाई विभाग को आगे आने की बात कही और बताया कि उनका सहयोग जरूरी है।

लगवाएंगे पंप

नपा प्रधान सुंदर अत्री, नपा सचिव संदीपं गर्ग, पब्लिक हेल्थ जेई सचिन कौशिक ने बताया कि शहर का सारा नक्शा उनके सामने हैं। सोते-जागते वे शहर की समस्या का समाधान करने में जुटे हैं। नपा प्रधान ने मीटिंग करके किसानों से भी आग्रह किया कि वे पानी को शहर की तरफ न खोले। ताकि शहर को डूबने से बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि जल्द ही नागरिक अस्पताल के पास पंप लगाकर पानी की निकासी का प्रबंध करेंगे ताकि शहर को इस आपदा से बचाया जा सके।

बिजली संकट छा सकता है शहर में

शहर के बिजली निगम कार्यालय में अधिक पानी से मिट्टी का कटाव शुरू हो गया है जिससे बिजली बाधित हो जाएगी। बिजली कर्मचारियों ने नाम न छापने की सूरत में बताया कि शहरवासियों को इस मिट्टी कटाव के लिए प्रबंध करने चाहिए ताकि नियमित रूप से बिजली सप्लाई चलती रहे। वहीं शहरवासियों ने प्रशासन से अपील करते हुए बताया कि नागरिक अस्पताल के पास पंप लगाकर पानी निकालने का प्रबंध करें। डुबती दुकानों व घरों का संकट सभी पर भारी पड़ेगा।

भाईचारा

तोशाम। सांगवान में ड्रेन में बने नाकों को बंद करने के लिए पहुंचे रेत से भरे ट्रैक्टर। फोटो : हरिभूमि

आपदा में ग्रामीणों की मदद के लिए आगे आए

तोशाम। गांव सागवान में बाढ़ से उत्पन्न हुई आपदा की घड़ी में गांव के सरपंच की एक अपील पर ग्रामीणों की मदद करने के लिए सोमवार को विभिन्न संगठन उमड़ पड़े और भाईचारे की मिसाल कायम करते हुए गांव सागवान में हजारों व्यक्ति बाढ़ का पानी रोकने के लिए की जान से जुट गए। वहीं पर इसी कड़ी में गांव दूल्हेड़ी की युवा स्वच्छता एवं जनसेवा समिति तथा मंगल कंक्रीट ने मिलकर बड़ा कदम उठाते हुए करीबन 50 ट्रैक्टर ट्राली में मिट्टी भरकर तथा करीबन 200 व्यक्तियों की टीम के साथ गांव सागवान पहुंचकर बाढ़ का पानी रोकने में अपना योगदान देते हुए समाज सेवा और भाईचारे की नई मिसाल पेश की। गांव सागवान में डेढ़ महीने से बाढ़ की स्थिति बनी है जिसने लोगों घर तक छोड़ने को मजबूर कर दिया। गांव में स्थित लाखों रुपए की लागत से बने मकानों में भी पानी खड़ा होने की वजह से दरारें आ गई जिस गांव सागवान पूरी तरह से मुसीबत की घड़ी में फस गया। ऐसे में गत दिवस गांव के सरपंच ने वीडियो जारी कर मदद की मार्मिक अपील की जो की वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई जिसका परिणाम यह रहा की सोमवार को आसपास के गांव के ग्रामीणों ने भाईचारे की अनूठी मिसाल पेश की तथा गांव सागवान में ग्रामीणों की मदद करने के लिए सोमवार सुबह ही हजारों लोग पहुंचे गए।

भिवानी। गांव बलियाली ममाइनर में आई दरार को पाटते हुए। फोटो : हरिभूमि

बलियाली माइनर को दुरूस्त करने में जुटे ग्रामीण

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता की अपील पर आबादी क्षेत्रों को जलभराव से बचाने के लिए ग्रामीण जिला प्रशासन का कंधे से कंधा मिलाकर साथ दे रहे हैं। ग्रामीण राहत कार्यों में भाईचारे और एकजुटता की मिसाल पेश कर रहे हैं। गांव बलियाली में भी सोमवार को माइनर को दुरूस्त करने के कार्य में समस्त ग्रामवासी लगे। उल्लेखनीय है कि डीसी गुप्ता ने द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे विशेषकर आबादी क्षेत्र को जलभराव से बचाने के लिए जिला प्रशासन का सहयोग करें। जलभराव से प्रभावित लोगों व जर्जर मकानों में रह रहे असहाय लोगों को सुरक्षित आश्रय दें ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना ना हो। डीसी द्वारा की गई अपील का असर देखने को मिल रहा है। जलभराव वाला कोई भी क्षेत्र हो, वहां नागरिक पानी निकासी में जुटे अधिकारियों को पूरा सहयोग कर रहे हैं। इसी कड़ी में रविवार की रात को बलियाली माईनर में अनेक जगहों पर दरार आईं, जिनको दुरूस्त करने के लिए ग्रामीणों ने एक साथ काम करने का आह्वान किया। देखते ही देखते भारी संख्या में ग्रामीण माईनर पर पहुंचे और प्रशासनिक अमले के साथ माइनर को दुरूस्त करने में जुट गए। वहीं दूसरी ओर डीएमसी गुलजार मलिक कस्बा बवानीखेड़ा में पहुंचे।

ग्रामीणों ने संभाला मोर्चा | **सिंचाई मंत्री के हलके के गांव सागवन में गंभीर स्थिति**

सांसद के पैतृक गांव तालु में ग्रामीणों ने दो हजार फुट लंबा बांध बनाया

पानी निकासी के लिए दो दर्जन से अधिक ट्रैक्टर लगाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौ. धर्मबीर सिंह के पैतृक गांव तालु और सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी के हलके के गांव सागवन में जलभराव की गंभीर समस्या सामने आई है, जिससे निपटने में सरकार और प्रशासन दोनों ही पूरी तरह से नाकाम रहे हैं।

ग्रामीणों ने अपने स्तर पर ही इस समस्या का समाधान करने का जिम्मा उठाया है। ग्राम स्वराज किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जोगेंद्र तालु ने बताया कि भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र सांसद चौ. धर्मबीर सिंह के पैतृक गांव तालु में जलभराव की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। इस समस्या से निपटने के लिए ग्रामीणों ने स्वयं ही मोर्चा संभाला है। तालु ने बताया कि प्रशासन की ओर से कोई मदद न मिलने पर गांव वालों ने अपने निजी खर्च पर एक दो हजार फुट लंबा बांध बनाया है। पानी की निकासी के लिए दर्जनों ट्रैक्टर लगाकर लगातार काम किया जा रहा है। तालु ने कहा कि यदि सरकार समय पर कदम उठाती तो उन्हें इतनी परेशानी नहीं झेलनी पड़ती। मा. मनेंद्र बागनवाला ने कहा कि सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी के हलके के गांव सागवन में भी जलभराव की स्थिति ने ग्रामीणों को परेशान कर रखा है। यहां एक ड्रेन टूट गई थी, जिससे खेतों और घरों में पानी भर गया।

हरिभूमि सहेली

लैट रिलेशनशिप
दूर रह कर साथ रहने का अहसास

लैट रिलेशन यानी दूर रहकर भी करीब रहने के अहसास के साथ रिश्ता बनाए रखने का चलन, तकनीकी सुविधाएं बढ़ने के बाद अपने देश-समाज में बढ़ रहा है। हालांकि इस तरह रिश्ते निभाने में कई तरह की सहूलियतें मिलती हैं लेकिन इसमें कुछ चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह रिश्ता तभी सहज ढंग से चल सकता है, जब पति-पत्नी दोनों इसके लिए मानसिक रूप से तैयार हों।

कवर स्टोरी
सरस्वती रमेश

हमारे समाज में शादी के बाद पति-पत्नी अमूमन साथ रहते हैं। अगर पति शहर के बाहर नौकरी या बिजनेस करता है तो शादी होते ही या कुछ समय बाद पत्नी भी उसके पास जाकर रहने लगती है। चाहे पत्नी को इसके लिए अपनी नौकरी ही क्यों न छोड़नी पड़े। कम से कम 90 प्रतिशत मामले में ऐसा ही होता रहा है। असल में शादी का मतलब ही होता है एक-दूसरे के साथ रहना और साथ निभाना। लेकिन आज के दौर में विवाह की यह पारंपरिक सोच बदल रही है। इस नई सोच के मुताबिक पति-पत्नी एक-दूसरे का साथ जरूर निभा रहे हैं, लेकिन एक-दूसरे के साथ रहे बिना। जी हां, लिविंग अपार्ट टुगेदर (लैट) यानी दूर रह कर साथ रहना, आजकल के शादी-शुदा कपल्स के बीच तेजी से बढ़ता ट्रेंड है। वैसे तो यह अवधारणा पश्चिमी देशों से आयातित है। लेकिन हमारे देश में भी यह तेजी से बढ़ रहा है।

क्या है लैट रिलेशन: जब शादीशुदा जोड़े शारीरिक रूप से एक साथ रहने की बजाय दूसरे शहर, राज्य या देश में रहकर भी दांपत्य रिश्ते में बंधे रहना स्वीकार करते हैं तो इसे लैट रिलेशनशिप कहा जाता है। अब तो कपल्स एक ही शहर में अलग-अलग घरों में रहने का विकल्प भी चुन रहे हैं। कई बार साथ रहने की सुलभता के बावजूद दूर रहना वो स्वेच्छा से चुन रहे हैं। इसके पीछे का तर्क यह दिया जा रहा है कि इससे उनके रिश्ते में नई ऊर्जा मिलती रहेगी। किसी से कभी-कभी मुलाकात होने पर हम उससे अतिरिक्त उत्साह से मिलते हैं, जबकि रोज मिलने वालों के साथ मिलने का उत्साह खत्म-सा हो जाता है। लेकिन यह लैट रिलेशन का कोई अकेला कारण नहीं है, और भी वजहें हैं।

ट्रेंड बढ़ने की वजहें: कई शोधों से यह साबित हो चुका है कि आज की पीढ़ी में सहन करने की क्षमता कम हुई है। उनमें छोटी-छोटी बातों को लेकर एग्रेशन बढ़ा है। पति-पत्नी को भी गीला तौलिया बेड पर रखने, एसी का टेंपरेचर कम/ज्यादा करने या घर के छोटे-मोटे कामों के बंटवारे को लेकर झगड़ते हुए देखा जा सकता है। पश्चिमी देशों में लैट रिलेशन की यह भी एक बड़ी वजह है, लेकिन हमारे देश में इसकी बड़ी वजह है, पति-पत्नी के करियर और जॉब से जुड़ी जरूरतें। ज्यादातर मामलों में पति और पत्नी अलग-अलग प्रोफेशन से जुड़े होते हैं। उनकी जरूरतें, ऑफिस टाइमिंग, वर्किंग फील्ड सब कुछ अलग होता है। एक समय ऐसी परिस्थिति में पत्नी सहजता से अपनी नौकरी छोड़ कर अपने पति के साथ रहना स्वीकार कर लेती थी। आज भी अधिकतर मामलों में ऐसा ही होता है, लेकिन अपने करियर के लिए समर्पित महिलाएं शादी के बाद भी अब जॉब छोड़ना स्वीकार नहीं कर रही हैं। बल्कि पति से दूर रहकर अपने सपनों को पूरा करने में लगी हुई हैं। पति भी अपने जीवन साथी की भावनाओं को समझते हुए उन्हें ऐसा करने में सहयोग कर रहे हैं। रिश्तों को निभाने के लिए पारंपरिक शर्तें अब कोई शर्त नहीं रही। जोड़े अब अपनी सुविधा से अपने नियम बना रहे हैं। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि दूरी एक-दूसरे के प्रति लगाव और प्रशंसा की भावना बढ़ाती है।

खुद पर फोकस: ज्यादातर मामलों में पति-पत्नी का नेचर, पसंद, हॉबीज, जिंदगी के प्रति नजरिया सब अलग-अलग होते हैं। शादी के बाद अमूमन हर व्यक्ति को अपने पार्टनर का ख्याल रखना पड़ता है, चाहे वह स्त्री हो या पुरुष। जैसे पसंद का खाना, हॉबीज, मत, जरूरतें आदि। ऐसे में खुद की इच्छा कहीं पीछे छूट जाती है। लेकिन लैट रिलेशन में व्यक्ति खुद पर पूरा फोकस करता है, साथ ही अपने पार्टनर को खुद पर फोकस करने का पूरा मौका भी देता है। इसके अलावा आज की पीढ़ी के लिए पर्सनल स्पेस एक बड़ी जरूरत बन चुकी है। संयुक्त या एकल परिवारों में रह रहे महिला और पुरुष भी अब पर्सनल स्पेस चाहते हैं। थोड़ा या कुछ ज्यादा समय, जो सिर्फ उनका हो। ऐसी परिस्थितियां जिनमें शारीरिक या भावनात्मक रूप से किसी की टोका-टोकी या खलल न हो, वे अपनी मर्जी से जी सकें। व्यक्तित्व के समुचित विकास के लिए आज यह पर्सनल स्पेस काफी महत्वपूर्ण बन चुका है। लैट रिलेशन में रह रहे जोड़ों को बिन मांगे यह मुराद पूरी हो रही है।

विदेश में शादियां: अब मध्यवर्ग की लड़कियां भी एनआरआई दूल्हे के सपने देख रही हैं। लेकिन यदि लड़की अपने देश में ही किसी अच्छी जॉब में है तो शादी के बाद भी यहीं रुकना उसकी मजबूरी है। ऐसे कपल्स दूर रहकर भी लैट रिलेशन में अपने रिश्ते को बनाए रखते हैं। बीच-बीच में कुछ समय साथ बिताते हैं और फिर अलग हो जाते हैं। ऐसे संबंधों का सबसे बड़ा फायदा यह है कि जब जीवन साथी साथ न रहे, तो जिम्मेदारियों, काम के बंटवारे को लेकर बार-बार की एडजस्टमेंट नहीं करनी पड़ती। इससे किटपिट कम होती है। साथ ही यदि कोई लड़की शादी के बाद भी अपने माता-पिता के साथ रहकर उनकी देखभाल करना चाहे तो इस रिलेशन में रहकर वह कर सकती है।

चुनौतियां: अलग-अलग रहकर साथ होने के अपने नुकसान भी हैं। लैट रिलेशन कुछ खास तरह के जोड़ों के लिए उपयोगी हो सकता है, लेकिन ज्यादातर के लिए नहीं।

आर्थिक भार: पहली बात तो यह कि ऐसी अवधारणा को मूर्त रूप सिर्फ अमीर लोग ही दे सकते हैं। दो घर यानी दो अलग-अलग गृहस्थियां चलाना महंगा पड़ता है। लैट रिलेशन में पति-पत्नी अपने इनकम को पूरी तरह अपने मुताबिक खर्च कर सकते हैं, लेकिन आगे परिवार बढ़ाने की प्लानिंग और बचत जैसे मुद्दों पर एक-दूसरे का आर्थिक सहयोग और साथ चाहिए होता है। दूसरी बात, इस तरह लंबे समय तक रहना व्यावहारिक नहीं जान पड़ता।

भावनात्मक दूरी: कहते हैं पति-पत्नी के बीच छोटी-मोटी तकरार उनके संबंध को और गहरा बनाती है, लेकिन जब मिलना ही नहीं होगा तो तकरार और दांपत्य की छोटी-छोटी खुशियां और गम भी एक-दूसरे से साझा नहीं हो पाएंगे। इस तरह लंबे समय तक अलगाव भावनात्मक दूरी भी बढ़ा सकती है।

अकेलेपन की समस्या: देखा जाए तो लैट रिलेशन अकेलेपन या अलगाव की भावनाओं को और बढ़ा सकता है। खासकर यदि व्यक्ति किसी अपरिचित स्थान पर हो और उसका कोई मजबूत सामाजिक दायरा न हो। वैसे भी आजकल की पीढ़ी काम की अधिकता और जीवन की जटिलताओं के कारण डिप्रेशन में चली जा रही है। अकेले रहने से पति-पत्नी एक-दूसरे को भावनात्मक संबल नहीं दे पाते हैं। इससे उनका आपसी जुड़ाव कमजोर होता है।

कब-कैसे हुई लैट रिलेशन की शुरुआत

सुनने में लैट रिलेशन टर्म हमें जितना नया लग रहा है, असल में यह इतना नया है नहीं। इसकी शुरुआत 1970 के दशक में नीदरलैंड में हुई थी। सबसे पहले इस टर्म को 'फ्रैंक एन इवा' फिल्म में दिखाया गया था। फ्रैंक और इवा न तो साथ रह पा रहे थे, न ही अलग होना चाहते थे। तब दोनों ने रिश्ते में रहते हुए दूर-दूर रहने का फैसला किया। अंग्रेजी भाषा में यह फिल्म 'लिविंग अपार्ट टुगेदर' नाम से रिलीज हुई थी। वहीं से यह शब्द मिला। लैट रिलेशन में पति-पत्नी शारीरिक रूप से दूर रहने के बावजूद भावनात्मक रूप से दांपत्य बंधन में बंधे हुए होते हैं। विज्ञान और तकनीक की प्रगति ने इस चलन को बढ़ावा दिया है। चूंकि आज हजारों किलोमीटर दूर रहते हुए भी मोबाइल इंटरनेट के माध्यम से जुड़े रहना संभव हो गया है, इसलिए ऐसे संबंधों को जरूरी ईंधन मिलता रहता है। भारतीय समाज में देखें तो यह शब्द अभी नया है, प्रचलन में नहीं है। अनेक पुरुष अपनी पत्नियों को गांव, कस्बे में छोड़कर रोजगार के लिए शहरों में चले जाते हैं। कई बार तो वो विदेशों में कमाने के लिए चले जाते हैं, कई वर्षों बाद वापस आते हैं। मतलब दूर रहते हुए भी अपने रिश्ते को जीवित रखते हैं।

खिलौनों को लेकर रहें सजग

आजकल बाजार में मिलने वाले प्लास्टिक या धातु के खिलौने बच्चों के स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हो रहे हैं। ये खिलौने ऑटिज्म को बढ़ा रहे हैं। इसलिए जरूरी हो गया है, बच्चों को पैरेंट्स लकड़ी, मिट्टी, कपड़े और धागे से बने परंपरागत देसी खिलौने दें, जो बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं हैं।

बच्चे और आप
डॉ. मोनिका शर्मा

बीते दिनों एम्स द्वारा किए गए रिसर्च में सामने आया कि ऑटिज्म पीड़ित बच्चों के शरीर में लेड, क्रोमियम, मर्करी, मैंगनीज, कॉपर, आर्सेनिक, कैडमियम जैसे भारी धातु पाए गए हैं, जो कि बच्चों में ऑटिज्म बीमारी बढ़ने का कारण बन रहे हैं। पैरेंट्स को ध्यान देना होगा कि स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाली ये धातुएं प्रदूषित भोजन, सिगरेट के धुएं, प्रदूषित हवा, औद्योगिक कचरे और खिलौनों के जरिए बच्चों के शरीर में पहुंच रही हैं। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि अध्ययन में ऑटिज्म से पीड़ित 3 से 12 साल के 180 बच्चों और 180 स्वस्थ बच्चों को शामिल किया गया। इनमें 32 प्रतिशत ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों में 7 तरह के हेवी मेटल्स ज्यादा पाए गए, जबकि स्वस्थ बच्चों में यह समस्या नहीं मिली। ऐसे में पैरेंट्स का बच्चों के शरीर में पहुंचते नुकसानदेह रसायनों और धातुओं को लेकर जागरूक रहना आवश्यक है। देखने में आता है कि खिलौनों से बढ़ते स्वास्थ्य जोखिमों को लेकर आज भी अवेयरनेस की कमी है।

ट्रेडिशनल खिलौने दें: बच्चों को खिलौनों से दूर नहीं किया जा सकता। बालमन के मनोरंजन और खेलने के लिए खिलौने जरूरी हैं। ऐसे में जागरुकता के साथ, जज्बाती जुड़ाव के इस मोर्चे पर हमारा परंपरागत खिलौनों की ओर लौटना जरूरी है। लकड़ी, मिट्टी, कपड़े और धागे जैसे सामानों से बने देसी खिलौने ना केवल परंपरा वाहक हैं। बल्कि भारतीय संस्कृति और जीवनशैली को समझने का जरिया भी हैं। इनसे बच्चों के स्वास्थ्य को कोई खतरा नहीं होता। वहीं प्लास्टिक और अन्य सामानों से बने विदेशी खिलौनों में मौजूद रसायन बच्चों की सेहत के लिए बेहद खतरनाक होते हैं। बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं। यही वजह है कि सेहत सहेजने और बच्चों को सहज और संवेदनशील जीवनशैली का पाठ पढ़ाने के लिए परंपरागत खिलौनों की बहुत अहमियत है। हमारे अधिकतर देसी खिलौने ग्रामीण जन-जीवन की झलक और प्रकृति से जुड़ाव का सबक लिए होते हैं। ट्रेडिशनल खिलौने बच्चों के लिए मनोरंजन के साथ ही जमीनी जुड़ाव और समझ को पोषित करने वाले साथी बन सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए कैसे हानिकारक हैं खिलौने: परवरिश के कई संजीदा पक्ष खिलौनों से जुड़े हैं। बाल स्वास्थ्य से जुड़े अनगिनत जोखिमों के बावजूद प्लास्टिक या धातु के खिलौने बच्चों के हाथ में थमा दिए जाते हैं। अब तो बाजार इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों से भी अटा पड़ा है। देखने में आता है कि नुकसानदेह रसायन ही नहीं, कई तरह की तकनीक से लैस स्वचालित खिलौने बच्चों की मनः स्थिति पर भी दुष्प्रभाव डालते हैं। खिलौने बच्चों की शारीरिक-मानसिक सेहत को कई तरह से प्रभावित करते हैं। इसीलिए इस विषय में डॉक्टर से भी चर्चा करनी चाहिए। कई बार तो कुछ खास तरह के इंफेक्शन का कारण मुंह में डाले जाने वाले खिलौने भी होते हैं। दांत निकलने के समय तो बच्चे खिलौने को खूब चबाते हैं। मुंह में डालने से कई तरह के वायरस और बैक्टीरिया के बच्चों के शरीर में जाते हैं। ऐसे में गंदे खिलौनों से पेट और मुंह के इंफेक्शन ही नहीं, स्किन इंफेक्शन की समस्या भी हो सकती है। बीमार होने पर बच्चों के टॉयज की डॉक्टर को भी जानकारी दें। घर में भी खिलौनों की साफ-सफाई को लेकर सजग रहें। स्वच्छ रखें और कभी-कभी धूप भी दिखाएं।

बागवानी
अनु आर.

अगर आप चाहती हैं कि आने वाली सर्दियों में अपने गार्डन में उगी ताजी, ऑर्गेनिक और तरह-तरह की सब्जियों का आनंद लें तो इसी महीने कुछ सब्जियों के बीज बो दें। आप कौन सी सब्जियां कैसे लगा सकती हैं, दे रहे हैं कुछ उपयोगी सलाह।

इसी महीने बो दें इन सब्जियों के बीज

मानसून का अंतिम महीना माना जाता है सितंबर माह को, जब वातावरण में नमी बढ़ने लगती है और मौसम ठंडा होने लगता है। कई सारी सब्जियों को उगाने के लिए यह सबसे अनुकूल मौसम होता है। ऐसे में हम आपको बताते है, कुछ ऐसी सब्जियों के बारे में, जिन्हें आप इस माह अपने गार्डन में उगा सकती हैं। इस माह में आप अपने गार्डन में हरी मटर, फूलगोभी, गाजर, टमाटर, ब्रोकली और मूली जैसी सब्जियों को लगा सकती हैं। इस मौसम में लगाई गई ये सब्जियां सर्दी के मौसम में तैयार हो जाएंगी।

फूल गोभी: फूल गोभी हमारे देश में पूरे साल उपलब्ध होती है और किसान इसकी खेती पूरे साल करते हैं। लेकिन मुख्य तौर पर ठंडे मौसम की फसल है। इस महीने में इसे लगाकर सर्दियों में आप अपने बगीचे में उगी गोभी का स्वाद ले सकती हैं। फूल गोभी 6 से 7 के बीच पीएच मान वाली और अच्छी निकास वाली कार्बनिक पदार्थों से भरपूर मिट्टी में अच्छी तरह पनपती है। इसकी मिट्टी को लगातार नम रखें और ज्यादा नाइट्रोजन वाली खाद डालकर इसको अच्छी तरह उगा सकती हैं।

टमाटर: सर्दी के मौसम में ताजे टमाटर खाने के लिए इसी महीने टमाटर के बीज बो दें। इसे ग्रो बैग में लगाएं, गमले में या जमीन पर। इसके लिए दोमट मिट्टी सबसे अनुकूल होती है। टमाटर की फसल बहुत जल्द तैयार हो जाती है।

ब्रोकली: हरी फूल गोभी की तरह दिखने वाली ब्रोकली की सर्दी के मौसम में बहुत मांग बढ़ जाती है। कैल्शियम और आयरन से भरपूर यह सब्जी अगर आप इस महीने में अपने घर के गार्डन में लगाती हैं तो पूरी सर्दियां आप इसका स्वाद ले सकेंगी। ब्रोकली के पौधे को कम गीली मिट्टी में ऐसी जगह पर लगाएं जहां अच्छी धूप आती हो।

हरी मिर्च: भोजन में स्वाद जगाने वाली और सेहत से भरपूर हरी मिर्च को इस माह गमलों में लगा सकती हैं। इसके दो-चार पौधों से ही काफी मात्रा में हरी मिर्च प्राप्त हो जाती हैं। इसके लिए दोमट मिट्टी बेहतरीन होती है और कुछ ही दिनों बाद पौधे में खूब सारी हरी मिर्च लगना शुरू हो जाती हैं।

मूली: मूली को अगर गमले में लगाना हो तो मिट्टी में खाद डालकर उसमें अच्छी-सी नमी लाकर गमले की मिट्टी में ऊपर से इसके बीज बिखेरें और इसमें समय-समय पर पानी देती रहें। 40 से 60 दिन के बाद मूली की फसल तैयार हो जाएगी।

गाजर: सर्दी के मौसम में सब्जी के रूप में, सलाद के तौर पर गाजर खूब खाई जाती है। इसका हलवा भी लोग चाव से खाते हैं। इसके लिए आपको इसी महीने में गाजर के बीज बो देने चाहिए। बीज बोने से पहले मिट्टी को अच्छी तरह से तैयार कर लें। इसे ऐसी जगह पर रोपें, जहां अच्छी धूप आती हो।

हरी मटर: सर्दी के दिनों में अपने गार्डन में उगी ताजा और मीठी मटर खाने का मजा ही अलग होता है। इसके लिए आपको इन्हीं दिनों में मटर बो देना चाहिए। मटर उगाने के लिए इन्हें कार्बनिक पदार्थों से भरपूर अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी में बोएं। बारिश के बाद जब मौसम सूखा हो, तो इनकी बेलों को चढ़ाने के लिए डंडे या दीवार का सहारा जरूर दें। पौधों को चूहों से बचाने के लिए इन्हें जाल से कवर कर सकती हैं।

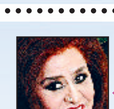

स्किन केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

सूखे नीबू से स्किन बनेगी सॉफ्ट-ग्लोइंग

नीबू के छिलकों में विटामिन-सी, कैल्शियम, पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे कई मिनरल्स के अलावा एंटी-बैक्टीरियल गुण भी पाए जाते हैं। ये स्किन को सॉफ्ट बनाने के साथ-साथ स्किन से फाइन लाइंस, झुर्रियों, टैनिंग, मुंहासों और दाग-धब्बों को कम करने जैसी कई समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करते हैं। ताजे नीबू की तरह ही सूखे हुए नीबू के छिलकों को भी अपने ब्यूटी रुटीन में आप अलग-अलग तरीके से शामिल कर सकती हैं। नीबू के छिलके का पावडर बनाने के लिए सबसे पहले इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर धूप में सूखा लें और मिक्सर में डालकर पीस लें। अब इस मिश्रण को स्टोर करने के लिए किसी एयर टाइट कंटेनर में रख दें। आप इस मिश्रण का इस्तेमाल लिप बाम, क्लींजर या फिर फेस मास्क के लिए कर सकती हैं।

फेस पैक: नीबू के छिलके से बने फेस पैक ऑयली स्किन वाली महिलाओं को काफी राहत मिलती है। फेस पैक बनाने के लिए एक चम्मच बेसन में एक छोटा चम्मच नीबू के छिलके का पावडर और गुलाब जल मिक्स करके लगा लें और जब यह मिश्रण स्किन पर नेचुरल तरीके से सूख जाए तो इसे ताजे पानी से धो लें। इस मिश्रण के साथ आप दही का यूज भी कर सकती हैं। इस फेस पैक से आपकी स्किन और भी सॉफ्ट और अट्रैक्टिव दिखेगी।

स्क्रब: बॉडी और फेस स्क्रब बनाने के लिए आप एक मिक्सर में थोड़ी सी चीनी, शहद और नारियल के दूध के साथ सूखे नीबू के छिलकों के पावडर को अच्छी तरह मिक्स कर लें। शहद, एक्सफोलिएशन में मदद करता है, जबकि नारियल का दूध स्किन को फ्रेश और सॉफ्ट बनाता है। चेहरे की थकावट को दूर करने के लिए येह फेस स्क्रब काफी मददगार साबित हो सकता है। नीबू में साइट्रिक एसिड होता है, जिसकी वजह से यह स्किन की ड्राई सेल्स में जमी परत को एक्सफोलिएट करता है। इसे लगाने से त्वचा मुलायम और चमकदार दिखती है। शहद में पाए जाने वाले एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेट्री गुण मुंहासों के उपचार के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

हर्बल टी भी है कारगर: लेमन हर्बल टी बनाने के लिए सूखे नीबू को छोटे टुकड़ों में काटकर उनके छिलकों को रातभर पानी में छोड़ दें। सुबह इनके छिलकों को पानी में थोड़ी देर के लिए उबालकर इसे छान लें। इसके बाद इसे चीनी या शहद से मीठा कर सकती हैं। आप इस चाय में अदरक, तुलसी और इलायची के साथ या फिर किसी जड़ी-बूटी को भी डाल सकती हैं। इसे पीने से आपकी स्किन ग्लो करेगी और एक्सट्रा बॉडी वेट को घटाने में भी मदद मिलेगी।

मेडिकल एडवाइस
डॉ. रवींद्र गुप्ता
एचओडी-इंटरनल मेडिसिन
सी. के. बिड़ला हॉस्पिटल, एनसीआर

ऐसे रहेगा कंट्रोल बैड कोलेस्ट्रॉल

अस्त-व्यस्त लाइफस्टाइल और अनहेल्दी डाइट के कारण हमारे शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने लगती है। इससे हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का रिस्क बढ़ने लगता है। क्या हैं बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण, इसके लक्षणों के साथ ही इससे बचाव के बारे में जानिए।

हमारे शरीर के सेल्स में पाया जाने वाला कोलेस्ट्रॉल नामक पदार्थ पिघले मोम की तरह चिपचिपा और वसा का ही एक रूप है। यह इतना ऑयली होता है कि पानी में नहीं घुल पाता, जिससे लिपोप्रोटीन पार्टिकल्स ब्लड फ्लो की मदद से इसे शरीर के सभी भागों में पहुंचता है। लेकिन बैड कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने से हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, नजर कमजोर होना, अल्जाइमर और शरीर में दर्द-अकड़न जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं।

कोलेस्ट्रॉल के प्रकार: हमारे शरीर में दो तरह के कोलेस्ट्रॉल मौजूद होते हैं। पहला हाई डेंसिटी लिपोप्रोटीन (एचडीएल), यानी गुड कोलेस्ट्रॉल। यह हार्मोंस के स्राव को नियंत्रित करना, नर्वस सिस्टम के न्यूरांस को बनाना, विटामिन की पाचन क्रिया के साथ नई सेल्स की दीवारों और विटामिन डी को बनाने में भी मदद करता है।

दूसरा लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन (एलडीएल), यानी बैड कोलेस्ट्रॉल। यह ब्लड वेसेल्स के अंदर की दीवारों में चिपककर उन्हें संकरा बना देता है, जिससे ब्लड फ्लो में रुकावट पैदा होने की वजह से हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, नजर का कमजोर होना और शरीर के कुछ भागों में हमेशा दर्द रहता है।

बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण : हमारे शरीर में 20 प्रतिशत बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा डायटरी, सैचुरेटेड और ट्रांस फैट से आती है, जैसे, रेड मीट, तेल, मक्खन और घी का अधिक मात्रा में सेवन करने से बढ़ता है। इसके अलावा 80 प्रतिशत फैट लिवर में तैयार होता है। मैदा, चीनी, चावल, सूजी, ओट्स, एल्कोहल, सॉफ्ट ड्रिंक्स और जंक फूड जैसी चीजों में कार्ब की मात्रा अधिक होने से लिवर इनमें मौजूद कार्ब्स को बैड कोलेस्ट्रॉल में बदल देता है। एक्सरसाइज न करना भी इसकी मात्रा बढ़ने की बड़ी वजह है।

बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के लक्षण : शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर आपको अलग-अलग लक्षण देखने को मिल सकते हैं। आंखों के सफेद हिस्से पर काले या भूरे रंग का घेरा नजर आना, शरीर में अकड़न, पसीना आना, दिल की धड़कन बढ़ने के साथ सीने, कंधे और गर्दन में दर्द होने जैसे लक्षण नजर आते हैं। बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा जरूरत से अधिक बढ़ने पर यह ब्लड वेसेल्स में जमा होकर प्लाक बनाता है, जिससे ब्लड फ्लो में रुकावट के कारण दिल का दौरा और ब्रेन स्ट्रोक होने का रिस्क बढ़ सकता है।

बचाव और उपचार के तरीके

बैड कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने से संबंधित कोई भी लक्षण नजर आए तो लिपिड प्रोफाइल नामक जांच अवश्य कराएं। इससे शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल का पता लगाया जा सकता है। आमतौर पर स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल का लेवल 130 से कम होना चाहिए, अगर किसी की हार्ट की सर्जरी हुई है तो शरीर में इसका लेवल 100 से कम होना चाहिए। अगर किसी तरह के लक्षण नजर नहीं भी आते तब भी चालीस पार के लोगों को साल में एक से दो बार कोलेस्ट्रॉल लेवल की जांच जरूर करवानी चाहिए। बैड कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कंट्रोल में रखने के लिए नियमित एक्सरसाइज और वॉकिंग करें। घी, तेल, मक्खन, मैदा और बाजार में बिकने वाले जंक फूड्स जैसी चीजों को अवॉयड करें। डॉक्टर की सलाह पर दवाओं की मदद से भी इसे कंट्रोल किया जा सकता है।

प्रस्तुति: विनीता

खबर संक्षेप

बवानीखेड़ा। अधिकारियों और शहरवासियों संग बैठक करते हुए नगरपालिका प्रधान सुंदर अत्री।

बड़सी में लाइन खुदवाकर पानी की लिफ्टिंग होगी

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा में बढ़ रहे पानी के स्तर के इंतेजामात को लेकर सोमवार को जिला स्तर के अधिकारियों ने जायजा लिया। हालांकि नपा प्रधान सुंदर अत्री द्वारा भिवानी उपायुक्त से टेलीफोन के माध्यम से बातचीत हुई और यहां की पूरी जानकारी व्यक्त की जिस पर उपायुक्त द्वारा उपमंडल अभियंता 'ना.' को आदेश दिया और एसडीएम महेश कुमार, डीएमसी गुलजार मलिक, सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता जितेन्द्र मान, जन स्वास्थ्य विभाग के उपमंडल अभियंता जय सिंह, नपा सचिव संदीप गर्ग, नपा पार्षदगण संग शहरवासियों की मीटिंग हुई। अधिकारियों ने आदेश दिए कि बड़सी गोहर में लाइन खुदवार साइफन से पानी की लिफ्टिंग की जाएगी।

किसानों की मदद करना सरकार की जिम्मेदारी

भिवानी। अत्यधिक बारिश के कारण भिवानी सहित विभिन्न जिलों में बने बाढ़ जैसे हालातों ने तबाही मचा दी है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। भिवानी समेत राज्य के कई जिले जलमग्न हो गए हैं। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए कांग्रेस के घुमंतु अर्धघुमंतु जनजाति टास्क फोर्स के वाइस चेयरमैन ने सरकार से बाढ़ प्रभावित किसानों को तत्काल एक लाख प्रति एकड़ का मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में सरकार की ये नैतिक जिम्मेदारी है कि वह किसानों के साथ खड़ी हो और उनकी मदद करें। नायक ने कहा कि सरकार को अपने किसान हितैषी होने के दावों को जमीनी पर हकीकत में साबित करना चाहिए, जिस तरह से फसलें बर्बाद हुई हैं।

विद्यालय पहुंचने पर दोनों पदक विजेता खिलाड़ियों का किया स्वागत

जूडों में लिटल हार्टस की मोनिका ने स्वर्ण व पीयूष ने जीता रजत पदक

राष्ट्रीय स्तर के लिए क्वालिफाई किया

■ दोनों विद्यार्थियों की उपलब्धि पर शिक्षकों और परिजनों ने उन्हें शुभकामनाएं दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

लिटल हार्टस की मोनिका ने सीबीएसई नोर्थ जोन जुडो में स्वर्ण व पीयूष ने रजत पदक जीतकर अपने परिजनों, शिक्षकों, स्कूल व जिले का नाम रोशन किया और नेशनल स्पर्धा के लिए चयन पाया। दोनों विद्यार्थियों की उपलब्धि पर शिक्षकों व परिजनों ने उन्हें शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लिटिल हार्टस पब्लिक स्कूल की मोनिका पुत्री राजकुमार ने सीबीएसई द्वारा आयोजित इंडियन मोर्डन स्कूल सोनीपत में सीबीएसई नोर्थ जोन द्वितीय जुडो चैंपियनशिप के अंडर-19 ग्रुप में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीता। वहीं पीयूष पुत्र सरजीत सिंह ने रजत पदक जीतकर अपने विद्यालय, अभिभावकों व जिले का नाम रोशन किया। इसके साथ ही दोनों विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर जुडो चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई किया।

इस अवसर पर विद्यालय के महासचिव संजय गोयल, एमडी पवन गोयल व भावना गोयल, प्रबंधक सतीश गोयल ने बताया कि इससे पहले भी ये विद्यार्थी अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करत विभिन्न खेल स्पर्धाओं में अपने विद्यालय का परचम लहरा चुके है। इस अवसर पर निदेशक राम सिंघल, ऐश्वर्या सिंघल, राहुल गोयल, विनय गोयल व निश्चल गोयल, प्राचार्य दीपक जोशी, उपप्राचार्य मनमोहन चावला, कोच जितेन्द्र आदि ने दोनों विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

पंडित सीताराम स्कूल की भूमिका व मुस्कान ने जीते पदक ,राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए चयन

भिवानी। सोनीपत में हुई सीबीएसई नॉर्थ जोन-2 जूडो चैंपियनशिप में पंडित सीताराम शास्त्री कन्या स्कूल की छात्राओं ने शानदार खेल प्रदर्शन किया और पदक जीतकर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में चयन पाया। स्कूल की दो होनहार छात्रा भूमिका व मुस्कान ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया, जिससे पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। चैंपियनशिप में स्कूल की छात्रा भूमिका ने अंडर-17 आयुवर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। वहीं इसी आयुवर्ग में मुस्कान ने रजत पदक हासिल किया। दोनों छात्राओं ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया और अब वे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी चुनौती पेश करने के लिए तैयार हैं। विद्यालय लौटने पर प्राचार्या सोनिया कौशिक ने पदक विजेता छात्राओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने फूलों की माला पहनाकर दोनों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्या सोनिया कौशिक ने कहा कि भिवानी जिसे मिनी क्यूबा के नाम से जाना जाता है, अब सिर्फ बॉक्सिंग और कुश्ती में ही नहीं, बल्कि जूडो जैसे खेलों में भी अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियों का शानदार प्रदर्शन उनकी कड़ी मेहनत, लग्न और खेल के प्रति उनके समर्पण का नतीजा है। हमें उन पर गर्व है और उम्मीद है कि वे राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगी।

भिवानी। जलभराव का निरीक्षण करते विधायक सुनील सांगवान।

किसानों को फसलों के खराबे का मिलेगा मुआवजाः विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

विधायक सुनील सांगवान ने कहा कि बारिश एवं प्राकृतिक आपदा के चलते किसानों की खरीफ फसलों के खराबे का प्रदेश सरकार पाई-पाई मुआवजा देगी। इसके लिए किसान ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपनी फसलों के खराबे का पंजीकरण करें, ताकि सरकार उस फसल की भरपाई के लिए किसानों को मुआवजा दे सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे खराबे की आंकलन रिपोर्ट अतिशीघ्र तैयार कर विभाग को भेजें।

ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर पंजीकरण करवाएं

उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, जो फील्ड है, उसकी रिपोर्ट तैयार करें। विधायक सुनील सांगवान ने सोमवार को विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ दादरी के गांव बीड भैरवी, मोरवाला, इमलोटा, सरूपगढ , सांतौर, नीमली व भागवी सहित दर्जनभर गांवों में बारिश से प्रभावित फसलों में हुए नुकसान का निरीक्षण किया और किसानों से बात की। विधायक के साथ एसडीएम योगेश सैनी, सिंचाई विभाग के एक्सईएन वेदपाल सांगवान, सतेंद्र सिंह सहित अनेक अधिकारी साथ रहे। इस दौरान किसानों ने बताया कि बारिश व जलभराव के कारण उनकी अधिकांश खरीफ की फसलें नष्ट हो गई हैं। साथ ही बताया कि जलभराव के कारण आगामी रबी फसलों की बिजाई पर भी संकट आ गया गया है।

बैठक में एक राष्ट्र एक चुनाव पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

दिनोद गेट स्थित अंचल मल्टीस्पेशयलिटी अस्पताल में नीमा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें एक राष्ट्र एक चुनाव के मुद्दे पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता वन नेशन वन इलेक्शन के भिवानी जॉन प्रभारी डा.विनोद अंचल ने की। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया कि एक राष्ट्र एक चुनाव देश के लिए अत्यंत आवश्यक है। सदस्यों का मानना था कि आर्थिक संसाधनों की बचत होगी और विकास की गति भी तेज होगी। प्रस्ताव पारित होने के बाद, सभी सदस्यों ने इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर एकजुट होने और इसे आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

डा.विनोद अंचल ने की बैठक की अध्यक्षता

भिवानी। अस्पताल में आयोजित बैठक में उपस्थित सदस्य।

बैठक में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर नीमा के प्रदेश संरक्षक डा. आरबी गोयल, प्रधान डा. राजेश शर्मा, डा. एम के जायसवाल, डा. बीएस गुप्ता, डा. सुरेन्द्र भारद्वाज, डा.अंकुर गिरधर, डा. राजेश गौरा, डा.अमित शर्मा, डा.देवेन्द्र चौहान, डा. उमेश वत्स, डा.एमके शर्मा, डा.आशीष दलाल, डा.विकास छापडिया, डा.नवीन अंचल समेत नीमा के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों की मिलकर करें मदद

बादी क्षेत्रों में पानी निकासी कार्यों में तेजी लाई जाए : उपायुक्त

नागरिकों और मवेशियों को बीमारियों से बचाने के लिए उचित कदम उठाए जाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

डीसी साहिल गुप्ता ने सिंचाई विभाग, जन स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग एवं पंचायत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आपसी तालमेल के साथ बारिश के पानी की निकासी करवाएं।

ग्राम पंचायतों की सहायता से जलभराव से प्रभावित नागरिकों की मदद करें। जल भराव वाले क्षेत्रों के पंचायत प्रतिनिधियों के साथ निरंतर संपर्क में रहें। डीसी गुप्ता सोमवार को लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में जिला में बारिश के पानी की निकासी के कार्य की संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान अधिकारियों ने कस्बा बवानीखेड़ा के साथ-साथ सैय, रिवाड़ी, खरक, कलिंगा, गुजरानी, मिताथल, घुसकानी, चांग, धनाना, बडेसरा, तालू, जताई, मुंढाल, बड़सी, पुर, सिवाड़ा, कुंगड़, भैणी, खेड़ी दौलतपुर, मंढाणा, जाटू लोहारी, प्रेम नगर, बापोड़ा, तिगड़ाना, दांग खुर्द व कलां, सागवान, बीरण, ढाणी बीरण, सुई, बलियाली व रामूपुरा आदि जलभराव से प्रभावित गांवों में पानी की फिलहाल स्थिति के बारे में डीसी को अवगत करवाया। डीसी ने सिंचाई विभाग, जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलभराव वाले आबादी क्षेत्रों से पानी निकासी के लिए अनुरूप नई पाइप लाइन डाली जाए। इसके अलावा जरूरत के अनुसार नए पंप सेट स्थापित किए जाएं।

सुरक्षित स्थान पर रहें

डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांव सागवन, कस्बा बवानीखेड़ा और धनाना सहित जलभराव से प्रभावित आबादी क्षेत्रों में राहत कार्यों में तेजी लाई जाए। लोगों को सुरक्षित स्थान पर रहने के लिए जागरूक किया जाए। जरूरतमंद लोगों को ग्राम पंचायतों की मदद से खाद्य सामग्री आदि की मदद की जाए। इसके अलावा पानी से प्रभावित आबादी क्षेत्रों में नागरिकों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के साथ-साथ मवेशियों को बीमारियों से बचाने के लिए उचित कदम उठाए जाएं।

ड्यूटी मजिस्ट्रेट होंगे नियुक्त

समीक्षा बैठक के दौरान सिंचाई व पंचायत विभाग के अधिकारियों ने उपायुक्त को बताया कि कुछ आबादी क्षेत्रों को जलभराव से बचाने के लिए नालों की खुदाई करवानी जरूरी है ताकि बरसात का पानी उनमें जा सके। इसके लिए डीसी ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करने के आदेश दिए ताकि नाला खुदाई के दौरान किसी प्रकार का विवाद न हो। बैठक के दौरान एसडीएम महेश कुमार भी मौजूद रहे।

आयोजन पर जताया आभार

महिलाओं की उपस्थिति करती है सकारात्मक ऊर्जा का संचारः पोपली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जामपुर सेवा समिति ने श्रीराम मंदिर चार मरला में करवाए 10 दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव के सफल समापन पर महिला मंडल के विशेष योगदान के लिए उनका आभार जताया। समिति ने इस बात पर जोर दिया कि धार्मिक और सामाजिक आयोजनों की सफलता में महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। दस दिनों तक चले आयोजन में भजन, कीर्तन, पूजा-अर्चना और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए।

जामपुर सेवा समिति के प्रधान गोपाल कृष्ण पोपली और महासचिव विनोद मिर्ग ने बताया कि भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा के विसर्जन कार्यक्रम तक हर चरण में महिलाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया, क्योंकि महोत्सव महिलाओं के बिना अधूरा था। उन्होंने न केवल पूजा-पाठ में भाग लिया, बल्कि पूरे कार्यक्रम को संचालित भी किया।

भिवानी। श्रीगणेश चतुर्थी पर कार्यक्रम में भाग लेती महिलाएं।

महिलाओं का योगदान पूजनीय

उन्होंने बताया कि धार्मिक आयोजनों में महिलाओं की उपस्थिति घर और समाज दोनों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों में महिलाओं का योगदान पूजनीय है, वे हमारी संस्कृति एवं परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करती हैं। महोत्सव की सफलता का श्रेय वास्तव में उन सभी माताओं व बहनों को जाता है, जिन्होंने इसे अपना समझकर सफल बनाया। समिति ने आयोजन के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश दिया, जिससे धार्मिक और सामाजिक कार्यों में सबकी भागीदारी जरूरी है और महिलाओं का योगदान सराहनीय है।

तपस्या और पूजन के लिए मन में गहरी आस्था होना बहुत जरूरीः मनक मुनि

भिवानी। हालुवास गेट फाटक पार स्थित जैन मुनि आश्रम में रविवार को रेखा शर्मा व मधु वर्मा की अठाई तप का पारणा हुआ। पूज्यश्री जैन संत मनक मुनि महाराज के मंगल आशीर्वाद और डॉ. उषा जैन के हाथों सानन्द संपन्न हुआ। रविवार को रेखा शर्मा व मधु वर्मा के आठ दिवसीय तप का पारणा हुआ। दोनों की श्रद्धालुओं ने जैन मुनि मनक कुमार महाराज से आशीर्वाद लेकर तप का पारणा किया। जैन मुनि मनक कुमार ने कहा कि अठाई तप बहुत ही संयमित एवं नियमों की पालना अनुसार किया जाता हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी तपस्या या पूजन विधि विधान से पूर्ण करने के लिए मन में गहरी आस्था होना जरूरी हैं, क्योंकि गहरी आस्था से ही शक्ति मिलती हैं। दोनों की श्रद्धालु रेखा व मधु ने पूर्ण आस्था रखते हुए नियमों की पालना कर अठाई तप कर उसका पारणा किया हैं। इस मौके पर नीलम जैन, सुरेन्द्र शर्मा, सुरेश वर्मा, नरेश लहरिया, माणकचन्द नाहटा, मदनलाल जैन, अमित जैन, मोहित जैन, सज्जन वर्मा, विजया नाहटा, रामबापू जैन, सतीश, राजा, पार्थ, राजू, प्रेम, मीना, नीलम, महिमा, ईशा, रमेश, शारदा, शीला व किरण आदि ने कार्यक्रम में सहभागिता की और आशीर्वाद प्राप्त किया।

विश्व साक्षरता दिवस

पोस्टर मेकिंग में रेखा व चित्रकला प्रतियोगिता में निशा ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में विश्व साक्षरता दिवस पर 8 सितम्बर को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार विधिक साक्षरता सेल एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया, जिसमें चित्रकला, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता एव जागरूकता रैली आयोजित की, ताकि साक्षरता के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर त्रिलोकचंद ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए शिक्षा के महत्त्व और साक्षरता के माध्यम से समाज के सशक्तिकरण पर अपनी बात रखी और विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देने वाली छात्रवृत्ति योजना के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रोफेसर ईशा, प्रोफेसर अनिता, प्रोफेसर भामा आदि मौजूद रही।

भिवानी। प्राचार्य व शिक्षिकाओं के साथ छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

छात्राओं ने नारे लगाकर किया जागरूक

इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने सृजनात्मक विचारों को प्रभावशाली पोस्टरों के माध्यम से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की संयोजिका प्रोफेसर मंजीत ने बताया कि ये आयोजन न केवल विश्व साक्षरता दिवस का जश्न था, बल्कि महाविद्यालय की महिलाओं में शिक्षा एवं विधिक जागरूकता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को भी पुनः स्थापित करता है। साक्षरता सामाजिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण उपकरण है। निर्णायक मंडल की भूमिका प्रोफेसर सतविंद्र चौहान, प्रोफेसर मुकेश कुमार और प्रोफेसर कविता ने निभाई, जिन्होंने प्रतिभागियों के कार्यों का बारीकी से मूल्यांकन किया। पोस्टर मेकिंग में रेखा ने प्रथम, कोमल ने द्वितीय तथ मुस्कान ने तृतीय स्थान हासिल किया। चित्रकला प्रतियोगिता में निशा ने प्रथम, मनीषा ने द्वितीय तथा रीतिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रैली में छात्राओं ने नारे लगाकर समाज को जागरूक किया।

पर्यावरण संरक्षण के लिए श्राद्धों में अपने पूर्वजों के नाम करें पौधरोपणः विनोद

भिवानी। बदलाव की पाठशाला के तत्वावधान में सोमवार को गांव घुसकानी स्थित वीर शहीद कैप्टन ओपी दलाल राजकीय उच्च विद्यालय में विशेष पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया। यह आयोजन शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू द्वारा अपने दादा स्वर्गीय ठाकुर प्रभुसिंह की श्राद्ध पर उनकी स्मृति को समर्पित रहा। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान बदलाव की पाठशाला के सहायकों एवं विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। पौधरोपण अभियान की अध्यक्षता मुख्याध्यापक कृष्ण कुमार ने की। शारीरिक शिक्षक पिंकू ने कहा कि पूर्वजों और महापुरुषों की स्मृति को जीवित रखने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि उनकी प्रेरणा से समाज व विद्यालय में रचनात्मक कार्य किए जाए। जब हम उनके नाम पर पर्यावरण, खेल और शिक्षा से संबंधित कार्यक्रम करते हैं, तो हमें अनुभव होता है कि हमारे पूर्वज आज भी हमारे बीच जीवित हैं और हमें सही राह दिखा रहे हैं। हमारे महापुरुषों और पूर्वजों को याद करने के लिए कोई बाहर से नहीं आएगा, ये जिम्मेदारी हमारी ही है। सबसे अच्छा तरीका यही है कि हम अपने बच्चों के साथ मिलकर ऐसे प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित करें, जो आने वाली पीढ़ियों को भी उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ेंगी। इस मौके पर विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, पौधरोपण तथा विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण संरक्षण, खेलों के महत्व और शिक्षा जागरूकता पर विशेष सत्र आयोजित किए।

विद्यार्थियों पर पड़ेगा अतिरिक्त आर्थिक भारः मोहित

राजकीय शिक्षण महाविद्यालय के सीबीएलयू में विलय के विरोध में विधायक को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

प्रदेश सरकार द्वारा राजकीय शिक्षण महाविद्यालय का चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में विलय की प्रस्तावित योजना के विरोध में सोमवार को छात्र नेता मोहित आसलवास के नेतृत्व में अन्य विद्यार्थियों ने पूर्वमंत्री एवं विधायक घनश्याम सर्राफ को मांगपत्र सौंपा। इस दौरान विद्यार्थियों ने विलय को रोकने की अपील की है, ताकि विद्यार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक भार न पड़े।

छात्र नेता मोहित ने कहा कि भिवानी के राजकीय शिक्षण महाविद्यालय का सीबीएलयू में विलय करने की विश्वविद्यालय व विभागीय स्तर पर प्रक्रिया चल रही है, जो छात्र विरोधी कदम है। उन्होंने का कि विलय होता है तो छात्रों को सीबीएलयू के मानदंडों के अनुसार अधिक फीस का भुगतान करना होगा, जिससे गरीब परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। इस महाविद्यालय का विलय करने के बजाय इसे एक स्वतंत्र शिक्षण महाविद्यालय के रूप में ही संचालित किया जाना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक बच्चों को इसका लाभ मिल सके।

भिवानी। विधायक को ज्ञापन सौंपने जाते विद्यार्थी।

1973 से संचालित है महाविद्यालय

उन्होंने कहा कि भिवानी का शिक्षण महाविद्यालय वर्ष 1973 से संचालित है तथा इसने अब तक हजारों छात्रों को शिक्षित किया है, जिन्होंने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि ये संस्थान प्रदेश के सबसे कम शुल्क वाले संस्थानों में से एक है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को बहुत लाभ हुआ है। वर्तमान में इस महाविद्यालय की फीस लगभग 34 हजार 500 है, जबकि सेल्फ फाइनेंस या निजी शिक्षण महाविद्यालयों की फीस एक लाख रूपये से भी अधिक है।

मॉडल संस्कृति विद्यालय में जन सूचना अधिकार 2005 के तहत कार्यक्रम का आयोजन

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के वीर शहीद कपिल देव राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जन सूचना अधिकार-2005 के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लीग लिट्रेसी क्लब के नोडल अधिकारी एवं प्रवक्ता राजेन्द्र कुमार ने अपनी अहम भूमिका अदा की। कार्यक्रम विद्यालय इंचार्ज प्रवक्ता सुनील कुमार के नेतृत्व में आयोजित हुआ जिसमें प्रवक्ता दीपाली प्रकाश, सत्यवान, विनोद कुमार, कृष्ण कुमार, सुदेश, डॉ. नवीन कुमार, वंदना, नवीन, कुमार सहित समूचे स्टाफ ने अपनी अहम भूमिका अदा की। कार्यक्रम में जन सूचना अधिकार-2005 के तहत बताया गया कि किस प्रकार से कोई भी किसी भी विभाग से सूचना लेने के अधिकार को लागू किया गया है जिससे हम पत्राचार के माध्यम से सूचना प्राप्त कर सकते हैं।

भारत कौशल विकास प्रतियोगिता के लिए करवाएं पंजीकरण

चरखी दादरी। जिले के युवाओं एवं नागरिकों को पूरी दुनिया के सामने अपनी प्रतिभा दिखाने को मौका मिल सकता है। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की ओर से प्रतिभावान लोगों से 30 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। उपायुक्त ने बताया की प्रतिभावान लोग अपना पंजीकरण जरूर करवाएं।

सूचना

मैं, औम प्रकाश पुत्र धर्मपाल निवासी गांव ढाणी टोडा तहसील लोहारू जिला भिवानी, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र योगेश व मेरी पुत्रवधु प्रियंका मेरे कहने-सुनने से बाहर थे और मैंने इनके दिनांक 09.02.2024 को बेदखल कर दिया था। लेकिन ये दोनों मेरे कहने-सुनने में आ गए थे, इसलिए मैंने 27-08-2025 को बेदखली को रद्द करवा दिया था। लेकिन ये मेरे व मेरे परिवार के साथ पहले जैसा ही व्यवहार करने लगे हैं। इसलिए मैं मेरे पुत्र व पुत्रवधु को दोबारा से मेरी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। इनके साथ लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

श्लोगन व पोस्टर से किया एड्स के प्रति जागरूक

बाढ़ड़ा। राजकीय महिला महाविद्यालय बाढ़ड़ा में प्राचार्य सूबेसिंह की अध्यक्षता व डॉ. कमलेश के नेतृत्व में अन्तराष्ट्रीय युवा दिवस मनाया और इसके तहत एड्स जागरूकता विषय पर पोस्टर व श्लोगन प्रतियोगिता करवाई। इस मौके पर छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यही है जीवन की कमाई, सुरक्षा में है सबकी भलाई आदि श्लोगन व पोस्टर के माध्यम से छात्राओं ने एड्स से बचाव एवं जागरूक रहने का संदेश दिया।

छात्राओं को अधिकारों के प्रति किया जागरूक

चरखी दादरी। महिला कॉलेज झोझूकलां में छात्राओं के लिए विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया,जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में एडवोकेट दिव्यता ने छात्राओं को कानूनी साक्षरता व भारतीय संविधान में महिलाओं के अधिकारों के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने कानूनी साक्षरता के बारे में छात्राओं को महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

लोगों को उनके कानूनी अधिकारों की दी जानकारी

लोहारू। गांव बरालु में कानूनी जागरूकता शिविर लगाया। शिविर में गांव बरालु में पैनल अधिवक्ता संदीप शर्मा ने लोगों को कानूनी अधिकारों और नालसा द्वारा चलाए जा रही विभिन्न योजनाओं तथा लोगों को मिलने वाली सेवाओं के बारे में जानकारी दी। शिक्षा अधिकार कानून, मौलिक अधिकार, महिला को मिलने वाली सुविधाओं आदि के विषय में भी विस्तार से जानकारी दी।

लीगल एंड क्लीनिक कैंप का किया आयोजन

बाढ़ड़ा। रविवार को लीगल एड क्लीनिक कैंप का आयोजन किया, जिसमें पैनल अधिवक्ता एडवोकेट शिवओम बीजणा व पैरा लीगल वालिंटियर अधिकार रक्षक जितेंद्र डांडमा ने कैंप लगाया। पैनल अधिवक्ता शिवओम बीजणा ने जागरुकता शिविर में निःशुल्क कानूनी सहायता, मौके पर जो लोग समस्याएं लेकर आए उनकी शिकायत रजिस्टर में लिखकर उन्हें कानूनी सलाह दी।

वैश्य कॉलेज की खिलाड़ी शबनम ने रजत व प्रमोद ने कांस्य पदक जीता

कुरुक्षेत्र में आयोजित 12वीं हरियाणा स्टेट ओपन सीनियर एथलीट चैंपियनशिप

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेलों की अहम भूमिकाः गोयल

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेलों की अहम भूमिका होती है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वो एकाग्रता से कड़ी मेहनत करते हुए खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़े। पूर्व में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम चमकाने में वैश्य कॉलेज के खिलाडिय़ों की बड़ी भूमिका रही है यह बात स्थानीय वैश्य कॉलेज में के खिलाड़ियों शबनम एवं प्रमोद द्वारा कुरुक्षेत्र में आयोजित 12वीं हरियाणा स्टेट ओपन सीनियर एथलीट चैंपियनशिप में क्रमशः रजत एवं कांस्य पदक प्राप्त करने के पश्चात महाविद्यालय लौटने पर उन्हें सम्मानित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.संजय गोयल ने कही। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता में भाग लेकर पदक जीतना बहुत ही सराहनीय कार्य है। महाविद्यालय के खिलाड़ियों शबनम एवं प्रमोद की इस सफलता पर वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के अध्यक्ष एडवोकेट शिवरतन गुप्ता, महासचिव डॉ पवन बुवानीवाला ,वैश्य महाविद्यालय प्रबन्धक समिति के प्रधान अजय गुप्ता ,महासचिव भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ, कोषाध्यक्ष बृजलाल सर्राफ, ट्रस्टी विजयकिशन अग्रवाल ने उसे बधाई दी। डीन एकेडमिक डॉ. नरेंद्र सिंह एवं डीन स्टूडेंट वेल्फेयर प्रो धीरज त्रिखा ने खिलाड़ियों शबनम एवं प्रमोद को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के प्रतिभा का सम्मान करने से उन्हें आगे बढ़ने का जज्बा मिलता है। उन्होंने कहा की महाविधालय प्रबंधन के साथ मिलकर महाविधालय के खिलाडिय़ों को खेल सुविधाओं से वंचित नही रहने दिया जाएगा बल्कि उन्हें बेहतर खेल सुविधा प्रदान की जाएंगी।

भिवानी। पदक विजेताओं को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

इससे दूसरे विद्यार्थियों को मिलेगी प्रेरणा

खेल प्रकोष्ठ के चेयरमैन सुरेंद्र दलाल व खेल इंचार्ज भूपेंद्र भुप्पी ने बताया की 12वीं हरियाणा स्टेट ओपन सीनियर एथलीट चैंपियनशिप का आयोजन कुरुक्षेत्र में आयोजित किया गया था जिसमें महाविद्यालय की एम ए प्रथम वर्ष की छात्रा खिलाड़ी शबनम ने रजत पदक एवं बी ए प्रथम वर्ष के छात्र खिलाड़ी प्रमोद ने कांस्य पदक प्राप्त पदक जीते। उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को खेल गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भाग लें व युवाओं को भी इस तरह की गतिविधियों में भाग लेने लिए प्रेरित करना चाहिए ।

पंडित सीताराम स्कूल की छात्राओं ने जीते पदक

- जूडो में भूमिका ने गोल्ड तो मुस्कान ने जीता रजत पदक
- पदक विजेता छात्राएं भूमिका व मुस्कान राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए चयनित : कौशिक

भिवानी। सोनीपत में आयोजित सीबीएसई नॉर्थ जोन-2 जूडो चैंपियनशिप में महम स्थित पंडित सीताराम शास्त्री गर्ल्स सीनियर सैकेंडरी स्कूल की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपनी जगह बनाई। इस स्कूल की दो होनहार छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया, जिससे पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इस चैंपियनशिप में स्कूल की छात्रा भूमिका ने अंडर-17 आयु वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। वहीं इसी आयु वर्ग में मुस्कान ने रजत पदक हासिल किया। दोनों ही छात्राओं ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया और अब वे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी चुनौती पेश करने के लिए तैयार हैं। विद्यालय लौटने पर प्राचार्या सोनिया कौशिक ने पदक विजेता छात्राओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने फूलों की माला पहनाकर दोनों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर संस्था के प्रधान व पूर्व विधायक डा. शिव शंकर भारद्वाज ने भी विजेता बच्चों को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया। इस मौके पर प्राचार्या सोनिया कौशिक ने कहा कि भिवानी जिसे मिनी क्यूबा के नाम से जाना जाता है, अब सिर्फ बॉक्सिंग और कुश्ती में ही नहीं, बल्कि जूडो जैसे खेलों में भी अपनी पहचान बना रहा है। चैंपियनशिप में उनके विद्यालय से दो छात्राओं ने एक ही भाग वर्ग में अलग-अलग पदक हासिल किए है, जो कि विद्यालय के लिए गौरवांवित करने की बात है। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियों का यह शानदार प्रदर्शन उनकी कड़ी मेहनत, लगन और खेल के प्रति उनके समर्पण का नतीजा है।

चरखी दादरी। प्रतियोगिता का शुभारंभ करते उपायुक्त डॉ मुनीष शर्मा।

जिला उपायुक्त ने किया शुभारंभ

तीन दिवसीय स्कूली खेल प्रतियोगिता का आगाज

- प्रदेशभर के स्कूली छात्र और छात्राएं शतरंज में दिखाएंगे अपनी प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

उपायुक्त डा मुनीष नागपाल ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित 58 वीं राज्य स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता का खेल ध्वज फहराते हुए शुभारंभ किया। इन प्रतियोगिताओं में लड़के एवं लड़कियों का आयु वर्ग अंडर 14, 17 और 19 श्रेणियों में किया जा रहा है। उन्होंने विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि खिलाड़ी अपनी श्रेष्ठता साबित करने के लिए भाग ले रहे हैं। खेल स्पर्धा में भागीदारी के दौरान कभी भी हौसला नहीं छोड़ना चाहिए। खेल के दौरान आपकी सक्रियता के फल स्वरूप किस पल जीत का पदक आपको गौरव की अनुभूति करा दे, यह आपके धैर्य व संयम का परिचायक होगा। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से युवाओं की ऊर्जा सकारात्मक काम लगती है।

सरकार कर रही सहयोग

डीसी ने कहा कि हरियाणा सरकार खेलों और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयासरत है तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ियों को करोड़ों रूपए तक के पुरस्कार दिए जाते हैं। ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी को सात करोड़, रजत पदक वाले को पांच करोड़ रूपये और कांस्य पदक वाले को तीन करोड़ रूपये का पुरस्कार दिया जाता है।

एक छत के नीचे हो रहा समाधान

- अपने-अपने विभागों से संबंधित आने वाली शिकायतों की एटीआर भरें सभी विभागाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार आमजन के लिए समाधान शिविरों का आयोजन काफी कारगर साबित हो रहा है और लोगों की समस्याओं को समाधान एक ही छत के नीचे किया जा रहा है। सोमवार को जिला अधिकारियों ने स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने-अपने विभाग से संबंधित समस्याओं की एटीआर शीघ्र स्पष्ट रूप से भरें और रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय में भेंजे।

चरखी दादरी। समाधान शिविर में समस्या सुनते अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

अधिकारियों को दिए निर्देश

समाधान शिविर में जलभराव, पीपीपी बिजली, पेंशन से संबंधित सभी समस्याओं को गौर से सुना और अधिकारियों को प्राथमिकता से शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

निर्माणाधीन एसडीएम ऑफिस की दीवार गिरी

- बड़ा हादसा टला, करीब 100 मीटर की दीवार चढ़ी बरसाती पानी की भेंट, निर्माण पर सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़ड़ा

बरसात के कारण बाढ़ड़ा में बन रहे उपमंडल भवन की चारदिवारी गिर गई। गनीमत रही कि हादसे के समय वहां कोई मौजूद नहीं था, वरना बड़ा नुकसान हो सकता था।

जानकारी के अनुसार उपमंडल भवन का निर्माण कार्य अभी पूरा भी नहीं हुआ था कि बरसाती के कारण करीब सौ मीटर तक चारदीवारी ढह गई। ग्रामीणों ने बताया कि दीवार की गुणवत्ता पर पहले से ही सवाल उठाए जा रहे थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि संबंधित विभाग को इस मामले में गंभीरता से जांच करनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हो। वहीं हादसे के बाद निर्माण कार्य रोक दिया गया। बता दें कि प्रदेश सरकार ने वर्ष 2016 में बाढ़ड़ा तहसील को अपग्रेड करते हुए उपमंडल का दर्जा दिया था, लेकिन पहले भूमि की कमी के कारण मुख्यालय भवन निर्मित नहीं हो पाया है।

उपमंडल का दर्जा मिलते ही जिला प्रशासन न कस्बे की अनाजमंडी के किसान विश्रामगृह में उपमंडल भवन संचालित किया और बाद में इसको पंचायत विभाग के बीडीपीओ कार्यालय में स्थानांतरित कर दिया। अब वह भवन तोड़ने के आदेश के बाद मौजूदा समय में कस्बे के केनाल विश्रामगृह में उपमंडल भवन संचालित है।

बाढ़ड़ा। निर्माणधीन उपमंडल भवन की गिरी चारदिवारी। फोटो: हरिभूमि

ठेकेदार से दोबारा दीवार बनवाई जाएगीः जेई

लोकनिर्माण विभाग के जेई कपूर सिंह ने बताया कि ठेकेदार को बोल दिया है और कल तक लेबर आ जाएगी। ठेकेदार से दीवार का फिर से निर्माण करवाया जाएगा और जो भी कमी है, उसे दूर किया जाएगा।

करोड़ों की लागत

प्रदेश के डिप्टी सीएम दुष्यंत सिंह चौटाला ने 11 फरवरी 2022 को बाढ़ड़ा उपमंडल कार्यालय की नींव रखी थी। लोकनिर्माण विभाग ने 18 करोड़ 18 लाख की राशि जारी करते हुए 21 माह में उपमंडल भवन के निर्माण करने का समय ठेकेदार को दिया था, लेकेन बजट कम होने के कारण ठेकेदार द्वारा सरकार व विभाग से 1.50 करोड़ का बजट और जारी करने के लिए पत्र लिखा था। अभी तक ठेकेदार को बजट नहीं मिला, जिससे उपमंडल भवन का निर्माण कार्य अधर में है।

एसडी एकेडमी में राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम

चरखी दादरी। खेड़ी बूरा रोड स्थित एसडी एकेडमी परिसर में राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन अशोक रंगा की अध्यक्षता में हुआ। विद्यार्थियों ने अपने विचारों को भाषण गीत संगीत के जरिए व्यक्त किया। रंगा ने कहा कि यह दिवस उन महान व्यक्तियों को सम्मान देने का अवसर है जो अपने ज्ञान से दूसरों के जीवन को दिशा देते हैं। उन्होंने कहा कि आप ऐसे प्रेरणास्रोत शिक्षक हैं जो अनुभव, विचारशीलता का उज्ज्वल भविष्य संवारते हैं, भारतीय सनातन संस्कृति की रक्षा एवं संवर्धन में शिक्षक का योगदान अद्वितीय हैयुवाओं ने कहा कि जीवन को संवारने मे शिक्षकों का योगदान अतुलनीय होता है इसलिए हमेशा शिक्षको का सम्मान करना चाहिए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

एसपी से मिली ह्यूमन राइट्स एंड एंटी करप्शन कौंसिल, सौंपा ज्ञापन

कोर्ट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था हो मजबूत वकीलों को मुहैया करवाई जाए सुरक्षा

- बीते दिनों कोर्ट परिसर में हुए गोलीकांड से वकीलों में डर

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

बीते दिनों भिवानी न्यायालय परिसर में हुए गोलीकांड के बाद यहां की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया था, जिससे कोर्ट परिसर में वकीलों और आम जनता के बीच दहशत का माहौल है। ह्यूमन राइट्स एंड एंटी करप्शन कौंसिल के चेयरमैन एडवोकेट शिवकुमार बेडवाल व सचिव एडवोकेट अजय संभ्रवाल के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने घटना पर तुरंत कार्रवाई करने और न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं को सुरक्षा मुहैया करवाने की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक को मांगपत्र सौंपा। पुलिस अधीक्षक को सौंपे मांगपत्र में कौंसिल के पदाधिकारियों ने कहा कि हाल ही में कोर्ट परिसर में कुछ अज्ञात लोगों ने अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया।

भिवानी। एसपी को ज्ञापन सौंपते ह्यूमन राइट्स एंड एंटी करप्शन कौंसिल के सदस्य।

नहीं कोई सुरक्षा व्यवस्था

परिसर में सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से अनुरोध किया न्यायालय परिसर में पुलिस पोस्ट की स्थापना की जाए और एसआई को इसकी जिम्मेदारी दी जाए। कोर्ट परिसर में हथियार ले जाने पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग की, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता हर दिन अपनी जान जोखिम में डालकर काम कर रहे हैं, ऐसे में कोर्ट परिसर जैसे संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाना अत्यंत आवश्यक है। एसपी ने मामले को गंभीरता से लिया तथा कोर्ट परिसर में सुरक्षा के लिए एक इंस्पेक्टर सहित पांच पुलिसकर्मी तैनात किए जाने की बात कही।

छात्र यश ने जन्मदिन पर किया पौधरोपण

बाढ़ड़ा। गांव कारीदास में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्या सुनीता की अध्यक्षता में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें नौंवी कक्षा के छात्र यश ने अपने चौदहवें जन्मदिन पर पौधरोपण किया।

इस अवसर पर यश ने अपने स्कूल में पढ़ने वाले सहपाठियों को एकत्रित कर गांव के मुख्य बस स्टैंड पर जागरूकता रैली निकाली और बच्चों ने एक साथ पौधरोपण किया। यश ने बताया कि हमें अपने हर खुशी के अवसर पर पौधरोपण करना चाहिए, ताकि हमारे आसपास का क्षेत्र हरा भरा रह सके। इस अवसर पर सरपंच कर्मवीर, ईको क्लब जिला समन्वयक मास्टर प्रीतम कारी, नवीन, मंदीप, जोगेंदर, पूनम आदि उपस्थित रहे।

वैश्य मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रबंधन समिति के नवनिर्वाचित का किया सम्मान

विधायक घनश्याम सर्राफ ने विद्यार्थियों को बताया छात्र जीवन में चरित्र का महत्व

नैतिक मूल्य, शिक्षा और संस्कार विद्यार्थी जीवन के आधार स्तंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि नैतिक मूल्य विद्यार्थी के जीवन का आधार स्तम्भ है। शिक्षा और संस्कार जीवन के मूल मंत्र है। वैश्य मॉडल स्कूल में स्कूल की नवनिर्वाचित प्रबंधकारिणी समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों का सम्मान किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष घनश्यामदास सर्राफ, उपाध्यक्ष सुरेश गुप्ता , महासचिव बृजलाल सर्राफ , कोषाध्यक्ष सुंदरलाल अग्रवाल पूर्व अध्यक्ष के.के.मोहता शिवरतन गुप्ता , पूर्व कोषाध्यक्ष विजय किशन अग्रवाल , समिति के सम्मानित सदस्यों प्रवीण गर्ग व पवन अग्रवाल मौजूद रहे।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में द्वीप प्रज्जवलित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

शिक्षकों के हाथ में विद्यार्थियों का भविष्य

उपाध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने कहा कि विद्यालय को ऊंचाइयों तक ले जाने का श्रेय शिक्षकों को जाता है। बिना सुविधाओं के कोई उपलब्धि हासिल नहीं की जा सकती जिसे उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी प्रबंधकारिणी समिति की होती है। समिति पूर्ण प्रयास करेगी कि विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास के लिए यथासंभव हर सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। महासचिव बृजलाल सर्राफ ने अपने वक्तव्य में कहा कि जीवन में संस्कार और संस्कृति अमूल्य हैं। विद्यार्थी में इनका विकास शिक्षक ही कर सकते हैं, अतः संस्कारों को शिक्षा का एक अभिन्न अंग बनाते हुए विद्यार्थियों को भावी जीवन हेतु तैयार करें ताकि ये देश व समाज के विकास में अपना योगदान दे सकें। कोषाध्यक्ष सुंदरलाल अग्रवाल ने कहा कि स्कूल में हर विद्यार्थी को ऐसा वातावरण उपलब्ध कराए जिससे अभिभावक अपने बच्चों को यहां प्रवेश दिला कर संतुष्टि प्राप्त करें। पवन अग्रवाल ने कहा कि नई समिति का भरपूर प्रयास रहेगा कि प्रत्येक विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास पर पूर्ण बल दिया जाए एवं विद्यार्थी सिर्फ अकादमिक क्षेत्र में ही नहीं अन्य क्षेत्रों में भी उत्तरोत्तर प्रगति कर विद्यालय का नाम रोशन करें।

डॉ. मुनीष नागपाल ने संभाला जिला उपायुक्त का पदभार

चरखी दादरी। दादरी के नवनियुक्त डीसी डॉ. मुनीष नागपाल ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। इससे पहले वे शिक्षा बोर्ड के सचिव व भिवानी के एडीसी के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। दादरी पहुंचने पर एसडीएम योगेश सैनी, सीईओ जिप डॉ. विरेन्द्र सिंह, एसडीएम आशीष सांगवान, नगराधीश प्रीति रावत व डीआईपीआरओ संदीप हुड्डा सहित जिला प्रशासन विभागीय अधिकारियों ने स्वागत किया।